हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 2 जून 2026

13 गो सम्मान आह्वान अभियान को मिला मुस्लिम
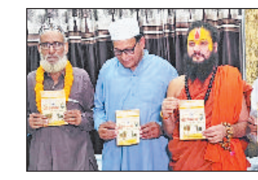

14 भिवानी की माटी में ही बस्सा है खेला और जज्बा

सेक्टर 13 व 23 की समस्याओं को लेकर लोगों ने उपायुक्त से की मुलाकात

अतिक्रमण हटाने के नाम पर लोगों को किया जा रहा परेशान

तोड़ फोड़ करने के बाद नहीं उठाया गया मलबा

निर्धारित समय में सेक्टर की समस्याओं को दूर करें: पंचगांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर के सेक्टर 13 व 23 की समस्याओं को लेकर सेक्टर के मौजिज लोगों ने नगर परिषद के पूर्व प्रधान विजय पंचगांव के नेतृत्व में सोमवार को उपायुक्त साहिल गुप्ता से मुलाकात की। लोगों ने सेक्टर की समस्याओं को दूर करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी उपायुक्त को सौंपा। जिस पर उपायुक्त ने नगर परिषद के डीएमसी को तुरंत टेलीफान कर समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए।

ज्ञापन में सेक्टरवासियों ने कहा कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का अतिक्रमण हटाने का हवाला देकर ग्रीन बेल्ट में काफी तोड़ फोड़ की है। अतिक्रमण हटाने के नाम पर लोगों को परेशान किया गया है। अतिक्रमण हटाकर मलबे को वहीं छोड़ दिया गया है। जिससे सेक्टरवासी परेशान हैं। पूरे सेक्टर 13 व 23 में यह चिन्हित किया जाए कि फुटपाथ चार फुटी पगडंडी का कहां से कहां तक है। उसके बाद इन पगडंडियों की प्रारंभ सीमा से डेढ़ फुट ऊंची सिमेंटीड कर्व लगाएं और कम से कम चार फुट तक इसकी टाइलिंग करें और बाकी क्षेत्र को साफ सुथरा समतल करवएं। बीच में पक्की सड़क क्षेत्र को चिन्हित करने के बाद पक्की सड़क के दोनों तरफ कार्य करवाया जाए। उन्होंने ज्ञापन से माध्यम से मांग की कि प्रत्येक कब्जा धारक को व्यक्तिगत नोटिसों द्वारा बताए कि उसने क्या-क्या अवैध कब्जे किए हुए हैं ताकि सम्बंधित व्यक्ति दिए गए तर्कसंगत समय में नोटिसों की पालना कर सके। उन्होंने कहा कि सेक्टर में ठप्प पड़ी सीवर व्यवस्था, बरसात के पानी की निकासी, अधूरी लाइन के साथ सीवर लाइन को जोड़ना और कुछ स्थानों पर पेयजल आपूर्ति की लाइन जोकि सीवरेज लाइन के साथ मिली हुई हैं, उनको ठीक करवाया जाये। उपायुक्त ने सेक्टरवासियों की इन समस्याओं को ध्यान से सुना और नगर परिषद के डीएमसी को तुरंत इस बारे में निर्देश दिए कि एस्टीमेट बनाकर सेक्टर की सभी फुटपाथों को बनाया जाए। ताकि बारिश का सीजन शुरू होने से पहले सेक्टर के लोगों की ये समस्या खतम हो जाए। इसके अलावा सेक्टर की समस्याओं को भी निर्धारित समय में दूर किया जाए। उपायुक्त के तत्काल संज्ञान लेने पर सेक्टर के लोगों ने उपायुक्त साहिल गुप्ता का अभार जताया। ज्ञापन सौंपने वालों में सचिव डा.हरज्ञान ग्रेवाल, हर्षदीप डूडेजा, सुरेंद्र सिंह परमार, कर्ण सिंह गोठड़ा, आत्मप्रकाश, राकेश कुमार, अशोक मुंजाल, वेदप्रकाश दलाल एडवोकेट, सुबे सिंह, राजकुमार, सुरेश नागपाल, उदयभन, जयनारायण दहिया, रणधीर सिंह, कंवर सिंह, औमप्रकाश आर्य, महेंद्र सिंह भी शामिल थे।

भिवानी। सेक्टर की समस्याओं को लेकर उपायुक्त को मांगपत्र सौंपते हुए।

ये मांगें रखी

- फुटपाथ की चार फुटी पगडंडी को चिहिनत किया जाए
- पगडंडियों की प्रारंभ सीमा से डेढ़ फुट ऊंची सिमेंटीड कर्व लगाएं
- सिमेंटीडकर्व लगाने के बाद कम से कम चार फुट तक इसकी टाइलिंग करें
- कब्जा धारक को नोटिसों द्वारा बताए कि उसने क्या-क्या अवैध कब्जे किए हैं

अतिक्रमण से खाली हुई जगह को पक्का करवाएं

विगत में एचएसवीपी द्वारा सेक्टर 13 व 23 में सड़कों के साथ किए गए अतिक्रमण को हटाने का अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान के तहत अतिक्रमण तो हटा दिया,लेकिन उसी जगह पर मलबा छोड़ दिया। साथ में उस जगह को कच्चा भी छोड़ दिया। अगर ऐसे में बारिश आती है तो बारिश का पानी आगे बहने की बजाए उस कच्ची जगह में जाने लगेगा और उससे मकानों की नींव को खतरा बढ़ जाएगा। ऐसे में बारिश के सीजन शुरू होने से पहले इनको पक्का करवाया जाना निहायत जरूरी है। इस पर उपायुक्त ने तत्काल डीएमसी को इनको पक्का करवाए जाने के निर्देश दिए है।

भिवानी। टावरों के बदले मुआवजें की मांग को लेकर प्रशासन से बातचीत करता प्रतिनिधिमंडल।

टावरों के बदले न्यायोचित मुआवजे पर किसानों और प्रशासन के बीच बातचीत

- प्रशासन ने किसानों की हिसार के बराबर वैल्यूएशन की मांग पर विचार करने के लिए मांगा समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिले के किसानों के प्रतिनिधियों, प्रभावित किसानों एवं जिला प्रशासन के बीच सिवानी झूम्पा से सोनीपत जाने वाली 400 केवी टावर लाइन के न्यायोचित मुआवजे के मुद्दे को लेकर डीआरडीए हाल भिवानी में संयुक्त बैठक हुई। बैठक में जिला प्रशासन की ओर से स्वयं उपायुक्त साहिल गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त बाबू लाल कारवा, एसडीएम भिवानी महेश कुमार, एसडीएम सिवानी , एसडीएम तोशाम व सीटीएम तथा किसानों की ओर से किसान सभा के जिला उप प्रधान कामरेड ओमप्रकाश, कर्ण सिंह जैनावास, जिला सचिव मास्टर जगरोशन और तोशाम, बवानीखेड़ा व भिवानी तहसीलों के प्रभावित किसान शामिल रहे। किसान नेताओं ने जिला प्रशासन को बताया कि चारों तहसीलों में टावर खड़े किए जाने वाली जमीन के रेट बहुत कम लगाए है।

किसानों का कहना था कि भिवानी जिला एनसीआर में पड़ता है तथा इस जिले की कृषि भूमि हिसार जिले से बेहतर उपजाऊ है तथा यहां अंडर ग्राउंड वाटर हिसार से बेहतर है, फिर भी जिला प्रशासन हिसार के बराबर रेट उन्हे नहीं दे रहा है। इसी बात को लेकर किसानों ने जिला प्रशासन के सामने असंतोष जाहिर किया और अपनी समस्याएं बताई। जिला प्रशासन ने भी अपनी बातों और अपनी सीमाओं को किसानों के सामने रखा। बातचीत में प्रशासन ने किसानों की हिसार के बराबर वैल्यूएशन की मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने के लिए कुछ समय मांगा है, ताकि वे इस मामले को संबंधित अथोरिटी के सामने रखकर उनकी स्वीकृति ले सकें। उन्होंने किसानों से अपील भी की कि वे टावरों की खेतों में निशानदेही करने की कार्यवाही को बाधित ना करें। क्योंकि टावर किसानों की सहमति और आपसी समझौते और नियमों के पालन के बाद ही खड़े किए जाएंगे। बैठक में बलियाली से रामोतार, संजय कुमार, सुरेद्र कुमार, खैराती लाल, जाटू लुहारी से दीपक, अनिल कुमार, चान्दराम, छपार से अमर सिंह, डाडम से नरेन्द्र कुमार, जगबीर, पिंजोखरा से सतबीर सिंह, मेवा सिंह आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

30 जून तक आयोजित होंगे विशेष लोन शिविर

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे होने पर जिले में 1 से 30 जून तक विशेष लोन शिविर लगाए जाएंगे। योजना का लाभ लेने के इच्छुक लोग एडीसी कार्यालय के कमरा नंबर 19 में पंजीकरण करा सकते हैं। जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य नए स्ट्रीट वेंडर्स को जोड़ना, डिजिटल लेनदेन बढ़ाना और ऋण सुविधा आसान बनाना है। इस बार 31 नई ट्रेड्स को भी योजना में शामिल किया गया है। जून माह में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित होंगे, जहां पात्र लाभार्थी पंजीकरण करवा सकेंगे।

नप चलाएगी विशेष पौधरोपण अभियान

भिवानी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 4 व 5 जून को नगर परिषद द्वारा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में शहर में विशेष स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह ने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न वार्डों, मुख्य मार्गों, बाजारों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की जाएगी। 5 जून को मेरा पौधा-मेरी जिम्मेदारी अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें नगर परिषद अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा आम नागरिक भाग लेंगे। नगर परिषद ने लोगों से स्वच्छ, सुंदर और हरित भिवानी बनाने में सहयोग की अपील की है।

समाधान शिविर में सभी अधिकारी समय पर उपस्थित हों : डीडीपीओ

भिवानी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार तथा डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी सोमबीर कादयान ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें। समाधान शिविरों को अन्यथा न लें। उन्होंन कहा कि विभागाध्यक्ष समाधान शिविरों में स्वयं उपस्थित रहें। सरकार द्वारा समाधान शिविरों की समीक्षा की जा रही है। डीडीपीओ कादयान के समक्ष महिपाल ने मिनी बाइपास क्षेत्र में बरसाती नाले को दुरुस्त करवाने, सेक्टर-23 निवासी सुरेश कुमार ने सेक्टर के खाली प्लाटों में अवैध रूप से किए जा रहे पशुपालन को बंद करवाने, तमन्ना ने अपने पति की हत्या के मामले में पुलिस कार्यवाही करवाने, दयानंद ने अवैध कब्जा हटवाने, मिताथल निवासी हरिकिशन ने अवैध बोंरिग यानि ट्यूबवैल हटवाने, गांव सैय निवासी कांता ने अवैध कब्जा हटवाने, नेताजी नगर निवासी सूबेदार आजाद सिंह ने सीवरेज व पेयजल आपूर्ति समस्या रखी। इसी प्रकार से रूद्रा कॉलानी निवासी प्रदीप ने पुलिस कार्यवाही करवाने, नौरंगाबाद निवासी जोगेंद्र ने पेयजल संबंधित समस्या, कमल सिंह व भीम सिंह ने फसल बीमा दिलवाने, तिगड़ाना निवासी धर्मेंद्र ने नाले की सफाई व मरम्मत करवाने, बैराण निवासी रामबीर घरेलू बिजली का कनेक्शन दिलवाने की समस्या डीडीपीओ के समक्ष रखीं। डीडीपीओ ने शिविर में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

यूनिय ने बैठक में बनाई आंदोलन की रूपरेखा

- मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन के मूड में पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन रजिस्टर नंबर-41, मुख्यालय चरखी दादरी, संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की आईबी भिवानी सिविल ब्रांच की बैठक सोमवार को स्थानीय सिंचाई भवन स्थित यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में राज्य कमेटी के आह्वान पर आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई।

में आंदोलन को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला तथा राज्य कमेटी के फैसले का स्वागत करते हुए कर्मचारियों ने फूल-मालाएं चढ़ाकर समर्थन जताया। बैठक की अध्यक्षता ब्रांच के वरिष्ठ उपप्रधान बलजीत फौजी ने की, जबकि संचालन ब्रांच सचिव अमित परमार ने किया। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में जिला सचिव सोमबीर पालूवास, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष बलराज ओला तथा जिला उपप्रधान रामशरण खुंडिया उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 24 नवंबर 2025 को चंडीगढ़ में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के साथ यूनियन राज्य कमेटी की बैठक हुई थी। उस बैठक में कर्मचारियों की कई मांगों और समस्याओं पर सहमति बनी थी, लेकिन आज तक एक भी मांग को लागू नहीं किया गया। इससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है और सरकार के रवैये के खिलाफ अब आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर बी एंड आर ब्रांच प्रधान दसरथ रंगा, आईबी जुई सिविल ब्रांच प्रधान मोहित कौशिक, सचिव जोगेंद्र मास्टर, प्रदीप दलाल, राकेश, संदीप, नवदीप, सुधांशु, सोनू, कृष्ण, अजय, राजेंद्र, अश्वनी, प्रदीप सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित कर्मचारी।

कर्मचारियों की मांगों की हो रही अनदेखी

यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार और विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार आश्वासन दिए जाने के बावजूद कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान नहीं होने के कारण अब आंदोलन ही अंतिम विकल्प बचा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 और 17 जून को जिले के सभी डीडीओ एवं एक्सईएन कार्यालयों के माध्यम से ईआईसी के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इसके बाद 4 जुलाई को भिवानी स्थित सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति के आवास का घेराव किया जाएगा। वहीं 18 जुलाई 2026 को पब्लिक हेल्थ एवं बी एंड आर मंत्री रणबीर गंगवा के हिसार स्थित आवास का घेराव करने का भी ऐलान किया गया।

सीजेएम ने किया बाल सेवा आश्रम का निरीक्षण

- सीजेएम ने बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम)-कम-सचिव पवन कुमार ने सोमवार को जिले के नशा मुक्ति केंद्र, बाल सेवा आश्रम तथा सखी वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, उपचार एवं परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बाल सेवा आश्रम में सीजेएम पवन कुमार ने बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आश्रम में रह रहे बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनके शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जा सके। इसके बाद उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर महिलाओं के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, अस्थायी आश्रय और पुनर्वास सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हिंसा अथवा उत्पीडऩ से प्रभावित महिलाओं को त्वरित, संवेदनशील और पूर्णतः गोपनीय सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा उनकी गरिमा और सम्मान की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

निरीक्षण के दौरान सीजेएम पवन कुमार ने कहा कि बाल सेवा आश्रम और सखी वन स्टॉप सेंटर समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के संरक्षण, सहायता और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों की सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, ताकि जरूरतमंद बच्चों और महिलाओं को समय पर उचित सहायता मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाए।

उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाया जाए

सीजेएम पवन कुमार ने नशा मुक्ति केंद्र का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रियाओं, परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों को नशे की लत से बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। इस दौरान सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती मरीजों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति, उपचार प्रक्रिया, दैनिक दिनचर्या तथा परामर्श सत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र में कार्यरत चिकित्सकों एवं कर्मचारियों से उपचार प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली और निर्देश दिए कि मरीजों को चिकित्सा सुविधाएं, संतुलित तथा प्रभावी मानसिक परामर्श उपलब्ध कराया जाए।

ग्वार के उखेड़ा रोग की रोकथाम संभवः सैनी

- बिजाई से पहले बीज को उपचारित जरूर करें :सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ग्वार का उखेड़ा रोग गम्भीर बीमारी है, जिसने प्रकोप से 10 से 30 प्रतिशत फसल मर जाती है। उखेड़ा रोग एक फंगस के कारण होता है, जो जमीन में रहती है। इसके प्रकोप से जड़ें गल जाती है। फलस्वरूप पौधें पीले व छोटे रह जाते है, जो बाद में सूख जाते हैं। परंतु बिजाई से पहले बीज को प्रति किलो बीज 3 ग्राम बाविस्टिन 50 प्रतिशत से उपचारित कर बोने से इस रोग की सफल रोकथाम हो जाती है।

उक्त विचार चौ. चरणसिंह हरियोणा कृषि विश्व विद्यालय हिसार के कीट विज्ञान विभाग से सेवानिवृत डॉ. आर.के. सैनी ने व्यक्त किए। वे खंड दादरी के गांव रानिला में आयोजित कृषि शिविर में किसानों को संबोधित कर रहे थे। शिविर का आयोजन कृषि विभाग तथा हिंदुस्तान गम एंड कैमिकल्स भिवानी ने मिलकर किया।

शिविर में ग्वार न नरमा कपास हानि पहुंचाने वाले विभिन्न कीटों व बीमारियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सेवानिवृत कृषि मंडल अधिकारी डा. निहाल सिंह ने किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रेरित किया।

परम संत कंवर महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

हृदय में सच्चे प्रेम के बिना भक्ति अधूरी : कंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राधा स्वामी दिनोद के परम संत कंवर महाराज वर्तमान में एक माह की विदेश यात्रा पर हैं। आज कनाडा में सत्संग प्रेमी सुनील मढोत्रा (बर्लिंग्टन शहर) के निवास पर आयोजित सत्संग में कँवर साहेब महाराज ने साध-संगत को अपने इन अमृत वचनो एवं पावन दर्शन से अनुग्रहित किया।

कंवर महाराज जी ने कहा कि यह संसार हमारा वास्तविक घर नहीं है। हमारा असली धाम कहीं और है। जैसे कोई व्यक्ति अपने देश को छोड़कर किसी दूसरे देश में चला जाता है, तो वहाँ उसे अपने घर जैसी स्वतंत्रता, सुख और अपनापन नहीं मिलता। उसे उस देश के नियमों और परंपराओं के अनुसार जीवन बिताना पड़ता है। इसी प्रकार जब जीवात्मा काल और माया के इस संसार में आती है, तो उसे यहाँ के नियमों के अधीन रहना पड़ता है। लेकिन उसके वास्तविक घर में जो प्रेम, शांति और आनंद है, वह यहाँ नहीं मिल सकता। इस सत्य को समझाने के लिए संत मीराबाई का उदाहरण देते हैं। मीराबाई सच्चे प्रेम की जीवित मिसाल थीं। उन्होंने अपने जीवन से सिद्ध कर दिया कि सच्चा प्रेम ही सच्ची भक्ति है। संसार के रिश्ते, मान-सम्मान और वैभव उस प्रेम के सामने कोई महत्व नहीं रखते। मीराबाई का जन्म एक राजघराने में हुआ था। बचपन से ही उनका मन भगवान कृष्ण जी की भक्ति में लगा रहता था। धीरे-धीरे उनका प्रेम इतना गहरा हो गया कि उन्होंने कृष्ण जी को ही अपना सर्वस्व मान लिया। जब मनुष्य के हृदय में परमात्मा के प्रति सच्चा प्रेम जाग जाता है, तब उसे किसी और चीज़ की आवश्यकता महसूस नहीं होती। जिस व्यक्ति के हृदय में प्रेम नहीं है, उसकी भक्ति भी अधूरी है। जब मन परमात्मा से जुड़ जाता है, तब सब कुछ समान दिखाई देने लगता है। जिस जीवात्मा के भीतर सच्चा प्रेम जाग जाता है, वही मुक्ति की ओर बढ़ती है। बहुत से लोग भजन गाते हैं, सत्संग सुनते हैं और धार्मिक कर्म करते हैं, लेकिन उनका मन सच्चे प्रेम से खाली रहता है।

सुधीवास गांव को बहल बिजली फीडर से जोड़ने की मांग रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

सुधीवास की बिजली सप्लाई देने वाली लाइन को बहल फीडर से जोड़ने की मांग को लेकर सुधीवास गांव के ग्रामीण पंचायत समिति की उप चेयरपर्सन प्रमिला मान के नेतृत्व में एसडीओ से मिले। ग्रामीणों ने कहा कि जब से सुधीवास को बहल से हटाकर दूसरी लाइन से जोड़ा गया है, तब से गांव में बिजली की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने कहा कि उनके गांव की लाइन को फिर से बहल से जोड़ा जाए।

बिजली निगम के एसडीओ ऋषभ ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग पर विचार किया जाएगा और उनकी बिजली कट की समस्या का समाधान किया जाएगा। एसडीओ ने कहा कि निगम द्वारा पातवान, गरवा के लिए एक नई लाइन डाली जा रही है। सुधीवास गांव को पुरानी लाइन से हटाकर इस नई लाइन से जोड़ दिया जाएगा जिससे उनको कोई परेशानी नहीं होगी। इससे पहले सुधीवास गांव के ग्रामीण पंचायत समिति की चेयरमैन प्रमिला मान के नेतृत्व में सुधीवास गांव के ग्रामीण बहल निगम कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने एसडीओ ऋषभ से मिले और उनको बिजली संबंधी समस्या बताते हुए कहा कि उनके गांव को पहले बहल फीडर से सप्लाई होती थी। पिछले कुछ समय पहले बहल से सुधीवास लाइन में किसी फाल्ट की वजह से वैकल्पिक तौर पर सुरपुरा, पातवान, गरवा लाइन से जोड़ा गया था।

बहल। सुधीवास की बिजली समस्या को लेकर एसडीओ को ज्ञापन सौंपती बीडीसी उप चेयरपर्सन प्रमिला मान।

हरिभूमि
सहेली

रोहतक,मंगलवार
2 जून 2026

विशेष
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महिलाएं अहम भूमिका निभा सकती हैं। इसके लिए बहुत बड़ी कोई कार्य योजना बनाने की भी जरूरत नहीं है। घर के आंगन से ही इसकी शुरुआत कर, वे दूसरों को भी पर्यावरण संरक्षित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। महिलाएं किन मोर्चों पर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देकर देश को प्रदूषण मुक्त रख सकती है, हर तरफ हरियाली बिखेर सकती है, जानिए।

पर्यावरण सहेजने के मोर्चे पर डटें महिलाएं

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

सदा से ही सब कुछ सहेजने का भाव रखने वाली महिलाएं पर्यावरण को बचाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। अब इस फ्रंट पर बिना देरी किए सार्थक कदम उठाने की भी दरकार है। 2026 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'नाउ फॉर क्लाइमेट चेंज' है। यानी एनवॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी ही होगी। यह विषय हमारी धरती, पर्यावरण और मौसमी बदलावों से जुड़ी हर चेतावनी को समझने का संदेश देता है। ऐसे में महिलाएं तुरंत इस फ्रंट को संभाल सकती हैं। उन छोटे-छोटे कदमों को बढ़ावा दे सकती हैं, जो पर्यावरण बचाने में बहुत कारगर सिद्ध हो सकते हैं। घर हो या बाहर, महिलाएं इस ओर बढ़ने की शीघ्र पहल करें।

आंगन से शुरू हो मुहिम

घर-परिवार में सब कुछ संभालने वाली स्त्रियां आम-सी बातों और आदतों पर ध्यान देकर भी एनवॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन से जुड़ी कार्रवाई को बल दे सकती हैं। आप भी अपने आंगन से ही इसकी शुरुआत कर सकती हैं। ई-वेस्ट को कम करना, बिजली और पानी की बचत, फूड वेस्ट न करना, आस-पास जाने के लिए पैदल चलना, पेपर-नैपकिन की बजाय रुमाल का यूज करना, रि-साइकिलिंग के लिए घर के कचरे का सही तरीके से निपटारा करने जैसे काम हर घर में किए जा सकते हैं।

वाटर प्यूरीफायर से निकलने वाले वेस्ट पानी से पौधों को सींचना हो या पोंछा लगाने में इस्तेमाल करना। सिंगल-यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने के लिए बाजार जाते हुए थैला साथ रखने की आदत बनानी हो या लाइट, पंखे जैसे उपकरणों को बेवजह चलते ना रहने देना। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए आप खुद भी सजग हों और घर के दूसरे सदस्यों को भी इन आदतों को अपनाने को प्रेरित करें। असल में 'नाउ फॉर क्लाइमेट चेंज' मुहिम का मूल मंत्र भी 'सोच बड़ी, पर शुरुआत छोटी' ही है। डेली लाइफ में छोटे-छोटे बदलाव कर क्लाइमेटिक हालातों पर गहरा असर डाला जा सकता है। बड़ी जनसंख्या वाले हमारे देश में तो ऐसी हर सहज शुरुआत और भी मायने रखती है।

तीज-त्योहारों के व्यावहारिक अर्थ समझें

हमारे पर्व-त्योहारों को मनाने से जुड़ी बुनियादी सोच, प्रकृति और इंसान के बीच सहज संतुलन बनाने वाली ही है। कुदरत का आभार और संरक्षण इनसे जुड़े मुख्य संकल्प हैं। ऋतु-परिवर्तन से जुड़े हमारे त्योहार जल, धरती और हरियाली जैसे प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने का व्यावहारिक पाठ पढ़ाने वाले रहे हैं। मकर संक्रांति, पोंगल, फूलदेई और बैसाखी जैसे पर्व सीधे तौर पर फसल चक्र और प्रकृति की पूजा से ही जुड़े हैं। वट सावित्री, आंवला नवमी, सरहुल और पीपल पूर्णिमा जैसे बहुत से त्योहार पेड़ों के पूजन-अर्चन के संग धरती की गोद में हरियाली के बने रहने की प्रार्थनाएं भी लिए हैं। तुलसी और केले के पौधे तो हर दिन पूजे जाते हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी, चंदन और फूलों के प्राकृतिक रंग हमारे जीवन का हिस्सा रहे हैं। जल, अग्नि, वायु और आकाश के संतुलन वाली परंपरागत जीवनशैली में मिट्टी की मूर्तियों के पूजन का रिवाज रहा है। विशेष अवसरों पर नदियों और कुओं की पूजा की जाती है। चिंता की बात यह है कि बीते कुछ वर्षों में त्योहारों के रंग-ढंग भी बदल गए हैं। जिसके चलते नदी-तालाब प्लास्टिक से अंट गए हैं। दिखावटी-सजावटी चीजों ने प्रकृति के रंग छीनने का काम किया है। यही वजह है कि इन पर्वों को मनाने वाली स्त्रियां त्योहारों के व्यावहारिक अर्थ समझकर पर्यावरण सहेजने की धुरी बन सकती हैं। प्रकृति को सहेजने के लिए स्त्रियां इन त्योहारों को पारंपरिक संस्कारों के साथ मनाएं।

बनाएं सहेलियों के समूह

सहेलियां एक-दूजे को देखकर फैशन और स्टाइल ही नहीं, ईको-फ्रेंडली आदतें भी अपना सकती हैं। किट्टी पार्टी या आस-पड़ोस का कोई ग्रुप पर्यावरण सहेजने वाली एक्टिविटीज से भी जुड़ सकती हैं। अपने-अपने घर में किचन गार्डन बना सकती हैं। छत पर सब्जियां और छोटी-सी बालकनी में हरी मिर्च, धनिया, पुदीना जैसे पौधे आसानी से उगा सकती हैं। अपने उगाए सब्जी, फल-फूल आदि एक-दूजे संग शेयर कर खुशियां साझा कर सकती हैं। अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर किसी स्थानीय पार्क में पौधारोपण करने या किसी तालाब की साफ-सफाई का भी प्लान बनाएं। सरकारी संस्थान या किसी संगठन द्वारा रोपे गए पौधों के देखभाल की जिम्मेदारी लें। नई चीजें खरीदने की बजाय मिलकर पुरानी चीजों का मेकओवर करें। यह एक-दूसरे से कुछ क्रिएटिविटी सीखने और कुदरत को सहेजने की सबसे सुंदर राह है। पार्टियों की तस्वीरें ही नहीं, सोशल मीडिया में अपनी इन गतिविधियों को भी शेयर करें। पर्यावरण के प्रति सजगता और जिम्मेदारी रखने का भाव लिए छोटे-छोटे कदम डिजिटल दुनिया में दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा देंगे, वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय होंगी। ❁

परवरिश में घुली हो हरियाली

पर्यावरण का संकट किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए हमें तो हर संभव प्रयास करने ही होंगे, साथ ही अपने बच्चों को भी जागरूक बनाना होगा। उनकी परवरिश इस तरह करनी होगी कि बच्चों के व्यवहार-जीवनशैली में पर्यावरण-सजगता शामिल हो।

सजगता

पूर्ति खरे

बच्चे अपने पैरेंट्स और परिवार से जो सीखते हैं, वो उनके व्यक्तित्व का स्थाई हिस्सा बन जाता है। उनकी आदतें, सोच, व्यवहार और जीवन के प्रति दृष्टिकोण सबकी पहली पाठशाला घर-परिवार ही होती है। ऐसे में यदि बचपन से ही उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और संसाधनों के सम्मान की सीख मिले, तो यह केवल आदत नहीं, उनके भावी जीवन की बुनियाद भी रखता है।

व्यवहार में शामिल हो सजगता: आज जब दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, पेय जल संकट, प्रदूषण और घटते जंगलों जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, तब पर्यावरण शिक्षा को केवल बच्चों के स्कूल की किताबों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसे उनके रोजमर्रा की दिनचर्या, व्यवहार और संस्कारों में शामिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बच्चों को अगर हम आज पर्यावरण के प्रति सजग बनने के संस्कार देंगे तो वे जीवनपर्यंत पर्यावरण संरक्षण को लेकर संवेदनशील रहेंगे।

प्रकृति से बढ़ती दूरी है मूल वजह: पहले के समय में पर्यावरण संरक्षण शब्द भले इतना प्रचलित न रहा हो, लेकिन हमारी जीवनशैली प्रकृति के बेहद करीब हुआ करती थी। दादी-नानी की रसोई में प्लास्टिक नहीं, कपड़े के थैले और मिट्टी के बर्तन होते थे। पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझी जाती थी। पेड़ केवल छाया देने वाली वस्तु नहीं, परिवार के सदस्य जैसे माने जाते थे। गर्मियों में घरों के बाहर पक्षियों के लिए पानी रखा जाता था, बचा हुआ खाना पशुओं को दे दिया जाता था और त्योहार भी प्रकृति के अनुकूल मनाए जाते थे। यह सब किसी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं था, बल्कि जीवन का स्वाभाविक व्यवहार था। लेकिन आधुनिकता और सुविधाओं की दौड़ में हम प्रकृति से धीरे-धीरे दूर होते चले गए। ऐसे में पर्यावरण शिक्षा को फिर से जीवन के केंद्र में लाना जरूरी हो गया है।

महसूस कराएं प्राकृतिक आत्मीयता: जब बच्चा मिट्टी में पौधे का बीज रोपता है, किसी मुरझाए पेड़ को पानी देता है, किसी चिड़िया को दाना डालता है या पहली बारिश की खुशबू महसूस करता है, तब उसके भीतर प्रकृति के प्रति आत्मीयता जन्म लेती है। आज की पीढ़ी बेहद संवेदनशील और जागरूक है। जरूरत केवल उन्हें सही दिशा देने की है। यदि हम उन्हें यह समझा पाएं कि पृथ्वी केवल मनुष्यों की नहीं, बल्कि पक्षियों, जानवरों, पेड़-पौधों और आने वाली पीढ़ियों की भी है, तो वे निश्चित ही जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। यह भी सच है कि बच्चों को केवल डर दिखाकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नहीं बनाया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि उन्हें प्रकृति की सुंदरता, उसकी उदारता और उससे मिलने वाले सुख का भी अनुभव कराया जाए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि पर्यावरण बचाना कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन को सुंदर बनाने का तरीका है।

बनें बच्चों के रोल मॉडल: बच्चे सबसे ज्यादा अनुकरण घर में करते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को पानी व्यर्थ बहाते, हर छोटी चीज के लिए प्लास्टिक का उपयोग करते या बिजली की अनावश्यक बर्बादी करते देखेंगे, तो वही सीखेंगे। वहीं यदि घर में कपड़े के थैले इस्तेमाल होंगे, पौधों की देखभाल की जाएगी, पानी और बिजली बचाने पर ध्यान दिया जाएगा, तो बच्चे इसे सहज व्यवहार की तरह अपनाएंगे।

ये सरल तरीके भी हैं कारगर : सप्ताह में एक दिन 'नो प्लास्टिक डे' रखा जा सकता है। बच्चों के साथ मिलकर बालकनी या छत पर छोटा-सा किचन गार्डन बनाया जा सकता है। उसकी देखभाल की जिम्मेदारी बच्चों को ही सौंपी जा सकती है। जन्मदिन पर महंगे रिटर्न गिफ्ट्स की जगह पौधे बांटने की शुरुआत की जा सकती है। छुट्टियों में बच्चों को किसी जंगल, नदी या गांव की सैर कराई जा सकती है ताकि वे प्रकृति को वास्तविक रूप में महसूस कर सकें। ❁

अफर्मेशन यानी सकारात्मक कथन आत्मविश्वास बढ़ाने, सफलता पाने की दिशा में बहुत प्रेरक सिद्ध होता है। यह कैसे काम करता है, आपको भी जानना चाहिए।

अफर्मेशन का होता है जादुई असर

स्वप्रेरणा

अंजू जैन

अकसर मनोविज्ञानी, व्यवहार विशेषज्ञ, समाजशास्त्री और प्रेरक वक्ता, जीवन में आगे बढ़ने, सुकून और समृद्धि हासिल करने के लिए अफर्मेशंस को बहुत प्रभावी मानते हैं।

क्या हैं अफर्मेशन: अफर्मेशन यानी सकारात्मक कथन, मस्तिष्क को रीप्रोग्राम करने की एक वैज्ञानिक तकनीक है, जो न्यूरोप्लास्टिसिटी के माध्यम से तनाव कम करती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाती है। शोध बताते हैं कि यह तकनीक मस्तिष्क के रिवॉर्ड सिस्टम को सक्रिय करती है और सेल्फ वर्थ की भावना को बढ़ाती है।

अफर्मेशन के प्रमुख फायदे: यह तनावपूर्ण स्थितियों में शांत रहने और मानसिक लचीलापन बढ़ाने में मदद करती है। साथ ही सकारात्मक कथन, मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करते हैं, जो आत्म-धारणा और समस्या-समाधान से जुड़े होते हैं। ये कथन नकारात्मक विचारों को बदलते हैं, आत्म-संदेह और डर को दूर करते हैं। वैज्ञानिक सोच पर अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारा मस्तिष्क लगातार बदलता रहता है। अफर्मेशन तकनीक नए तंत्रिका मार्ग बनाने में मदद करती है, जिससे सोचने का तरीका बदलता है।

प्रभावी ढंग से करें अफर्मेशन का उपयोग: अफर्मेशन का प्रभावी उपयोग करने के लिए अपने लक्ष्यों और मूल्यों के अनुसार स्वयं के कथन बनाएं। इन्हें दोहराना अपनी दैनिक आदत बनाएं, जैसे सुबह या रात को सोने से पहले। इन्हें गहराई से अपनाना होगा और रोज महसूस करना होगा। यह मस्तिष्क को शांत, अधिक लचीला और लक्ष्यों के प्रति केंद्रित बनाने का एक सिद्ध और वैज्ञानिक तरीका है।

अपनाएं 10 कारगर अफर्मेशन: कुछ ऐसे सकारात्मक विचार हैं, जो हर महिला के मन में होने चाहिए। ये आपको प्रेरित करेंगे, आत्मविश्वास को भी बढ़ाएंगे।

आत्मसम्मान के लिए: मैं पर्याप्त हूं और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। मेरे लिए सबसे पहले अपना आत्मसम्मान है।

फोकस के लिए: मेरी ऊर्जा अनमोल है, मैं इसे केवल उन चीजों पर लगाती हूं, जो मुझे आगे बढ़ाती हैं। फालतू की चीजें या सिर्फ दूसरों को खुश करने के लिए मुझे ऊर्जा और सुकून नष्ट नहीं करना चाहिए।

साहस के लिए: मैं अपनी क्षमताओं पर विश्वास करती हूं और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। खुद मुझे ही आगे बढ़कर अपनी मुसीबतों का सामना करना है।

स्वावलंबन के लिए: मैं अपनी खुशियों की खुद निर्माता हूं। मैं दूसरों पर निर्भर नहीं रहूंगी। आत्मनिर्भरता मेरे लिए आवश्यक है।

कार्यकुशलता के लिए: आज मैं जो भी करूंगी, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी और खुद पर गर्व करूंगी। आगे बढ़ना है तो मुझे मेहनत करनी होगी।

विकास के लिए: गलतियां करना सीखने का हिस्सा है। मैं उनसे डरती नहीं, बल्कि आगे बढ़ती हूं। भला किससे गलतियां नहीं होतीं।

सेल्फ-केयर के लिए: मैं अपने शरीर और मन का सम्मान करती हूं और उनकी देखभाल करना मेरी प्राथमिकता है। मेरी खुशी मेरे लिए सर्वोपरि है।

समृद्धि के लिए: मैं सफलता और प्रचुरता के योग्य हूं। जब मेरे भाई-बहन, दोस्त आगे बढ़ सकते हैं तो मैं भी बढ़ सकती हूं।

मानसिक शांति के लिए: मेरा शांत स्वभाव ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। शांत मन ज्यादा शक्तिशाली होता है।

सेल्फ-लव के लिए: मैं जैसी हूं, वैसी ही सुंदर और शक्तिशाली हूं। मुझे दूसरों से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। आप इनमें से अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को डेस्क कैलेंडर या स्टिकी नोट पर लिखकर टेबल पर रख सकती हैं। ❁

सीजनल केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

ट्रैवलिंग में साथ रखें ये प्रोडक्ट्स मेंटेन रहेगा ग्लोइंग मेकअप

गर्मी की छुट्टियों में बहुत से लोग अपने परिवार, दोस्तों के संग हिल स्टेशंस या अन्य पर्यटक स्थलों पर घूमने जाते हैं ताकि नेचर का आनंद ले सकें और शहरों की भाग-दौड़ भरी उबाऊ जिंदगी से राहत मिल सके। लेकिन इस मौसम में खुले वातावरण में घूमने से पसीने, टैनिंग, त्वचा में जलन, सनबर्न से ब्यूटी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन अगर आप ट्रैवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ जरूरी ब्यूटी प्रोडक्ट्स रखती हैं तो आप इस मौसम में त्वचा को होने वाले नुकसानों से खुद को बचा सकती हैं।

फेस वाइप्स: गर्मी में सबसे ज्यादा परेशानी पसीने से होती है। तेज धूप की वजह से ऑयली स्किन पर गंदगी और तेल जम जाता है। इससे चेहरा डल लगता है और मेकअप भी खराब हो जाता है। इसलिए इस मौसम में जब भी आप घूमने जाएं तो अपने साथ फेस वाइप्स जरूर रखें। फेस वाइप्स से बिना पानी के चेहरे की त्वचा साफ हो जाती है और चेहरे की नर्व्स में ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ता है। गीले फेस वाइप्स को आप अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकती हैं। जब आपके पास पानी और फेस वॉश उपलब्ध नहीं हो तो इसे यूज करें। इससे आपकी स्किन तुरंत साफ और फ्रेश लगेगी।

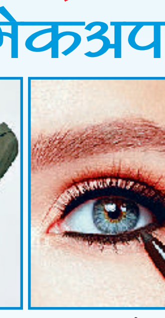

ड्राई शैंपू: यात्रा के दौरान कई बार बालों को धोने का कम ही समय मिल पाता है। ऐसे में ड्राई शैंपू काफी मददगार हो सकता है। ड्राई शैंपू पानी रहित उत्पाद है, जिसे बालों को साफ करने के लिए आमतौर पर स्प्रे या पावडर के रूप में उपयोग किया जाता है। इसे सिर की त्वचा पर लगाया जाता है और यह बालों से तेल या सीबम को सोख लेता है, जिससे बाल साफ और तरोताजा दिखते हैं। यदि आपकी स्कैल्प सेंसिटिव है तो अल्कोहलबेस्ड या सुगंधित ड्राई शैंपू से बचें।

वाटर प्रूफ काजल: अधिकतर महिलाएं अपनी सुंदरता को निखारने के आंखों पर काजल लगाना खूब पसंद करती हैं। लेकिन गर्मी के मौसम में पसीने से काजल फैलने की समस्या हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए वाटर प्रूफ काजल आपकी मदद कर सकता है। वाटर प्रूफ काजल आंखों पर लंबे समय तक मेंटेन रहता है। इन्हें लगाने से आंखों को परेशानी नहीं होती है और सेंसिटिव आंखों वाली महिलाओं के लिए भी उपयुक्त होता है। जैल आधारित काजल 12 घंटों तक टिका रहता है, जिसे आप ब्रश की मदद से लगा सकती हैं।

ग्लिटर: ग्लिटर नाखूनों को एक नया लुक देता है, जिससे साधारण मेनीक्योर भी खास दिखने लगता है। ग्लिटर मेनीक्योर अनेक प्रकार के कस्टमाइजेशन का अवसर प्रदान करता है और विभिन्न रंगों और फिनिश के साथ आपके सौंदर्य को निखारता है। ❁

जब डेली करेंगी न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट आप रहेंगी हेल्दी-एनर्जेटिक

आमतौर पर महिलाएं वर्क प्रेशर की वजह से ब्रेकफास्ट में कुछ भी खा लेती हैं या स्किप कर देती हैं। आपको हेल्दी और एक्टिव रहने के लिए अपने ब्रेकफास्ट में ऐसे फूड्स शामिल करने चाहिए, जिससे आपको एनर्जी मिल सके।

डाइट एडवाइस

विधि

डॉक्टर्स कहते हैं कि दिन की शुरुआत हैवी ब्रेकफास्ट से होनी चाहिए। इससे पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है लेकिन बहुत सी महिलाएं, सुबह की भाग-दौड़ और काम में ब्रेकफास्ट पर ध्यान नहीं देती हैं या बिना ब्रेकफास्ट किए ही रह जाती हैं। डेली न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट नहीं करने से सारा दिन सुस्ती और आलस महसूस होता है। वीकनेस आने लगती है। नाश्ते में ऐसी चीजें खानी चाहिए, जो हेल्दी हों। क्योंकि सही ब्रेकफास्ट दिनभर एनर्जेटिक और एक्टिव बनाए रखता है। ब्रेकफास्ट हेल्दी होने से कई सारी बीमारियां भी शरीर से दूर रहती हैं, साथ ही मेंटल हेल्थ भी बेहतर रहती है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

क्या खाएं: सुबह के नाश्ते में जितना हो सके हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए। प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके लिए ताजे फल, स्प्राउट्स, ओट्स, अंडा, दलिया, सूजी, मूंग दाल चीला, ड्राई फ्रूट्स, दूध को ब्रेकफास्ट में शामिल करना चहिए। सुबह के ब्रेकफास्ट में परांठों की जगह उपमा, नमकीन दलिया, घी लगी रोटी शामिल करना फायदेमंद होता है। प्रोटीन से भरपूर नाश्ता आपके शरीर को दिनभर की ऊर्जा देने में मदद करता है। प्रोटीन-रिच नाश्ते में उबले हुए अंडे, पनीर, दही, दलिया या ओटमील, मूंग दाल का चीला खा सकती हैं। फाइबर पाचन को सही बनाए रखने में मदद करता है। यह दिल के लिए भी अच्छा होता है। फाइबर से भरपूर ब्रेकफास्ट के लिए फलों का सलाद, साबुत अनाज की ब्रेड या परांठे, आलू या शकरकंदी की चाट खा सकती हैं। हेल्दी फैट से शरीर को एनर्जी मिलती है। यह शरीर के लिए जरूरी हार्मोन के प्रोडक्शन में भी मददगार है। इसके लिए एवोकाडो, नट्स, मूंगफली का मक्खन, अलसी का तेल ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकती हैं। फ्रेश फल और सब्जियां न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट करते हैं, बल्कि ये जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भी भरपूर होती हैं। ये इम्यूनिटी को बढ़ाने में मददगार हैं। शरीर को पूरे दिन हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी के अलावा, ब्रेकफास्ट में नीबू पानी, नारियल पानी, ग्रीन टी लेना भी अच्छा होता है। मीठे के लिए ब्रेकफास्ट में शहद, मेपल सिरप या गुड़ का इस्तेमाल कर सकती हैं। एक छोटे से फल जैसे कि आम, पपीता या सेब को भी मिठास के लिए शामिल कर सकती हैं। नाश्ते में स्मूदी केला और दूध एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। बिना अतिरिक्त मात्रा में नमक या चीनी की दही का ऑप्शन भी सेहतमंद होता है।

क्या न खाएं: ब्रेकफास्ट में कुछ फूड आइटम्स को नहीं खाना चाहिए।

वाइट ब्रेड: सफेद ब्रेड को लो क्वालिटी के कार्ब्स के साथ प्रोसेस किया जाता है, जिससे मोटापा, ब्लड शुगर बढ़ने और हार्ट डिजीज का खतरा भी पैदा होता है।

समोसा-पकौड़े: तली हुई चीजें खाने से सीने में जलन, पेट में भारीपन और शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है।

मीठा दही: इससे शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ सकती है।

इंस्टेंट नूडल्स: इनमें बहुत ज्यादा नमक, प्रिजरवेटिव्स और अनहेल्दी फैट्स होते हैं, इसलिए ये सुबह के खाने के लिए बिल्कुल हेल्दी नहीं होते हैं। ❁

(डायटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

गो सम्मान आह्वान अभियान को मिला मुस्लिम समुदाय का अपार समर्थन

गोमाता को मिले राष्ट्रमाता का दर्जा, भिवानी का हर मुसलमान देगा साथः जोरावर अली

- गोसम्मान आह्वान अभियान को लेकर 20 करोड़ हस्ताक्षरों का लक्ष्य किया तयः रामतीर्थ
- गो सम्मान आह्वान अभियान को मिली मजबूती, सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

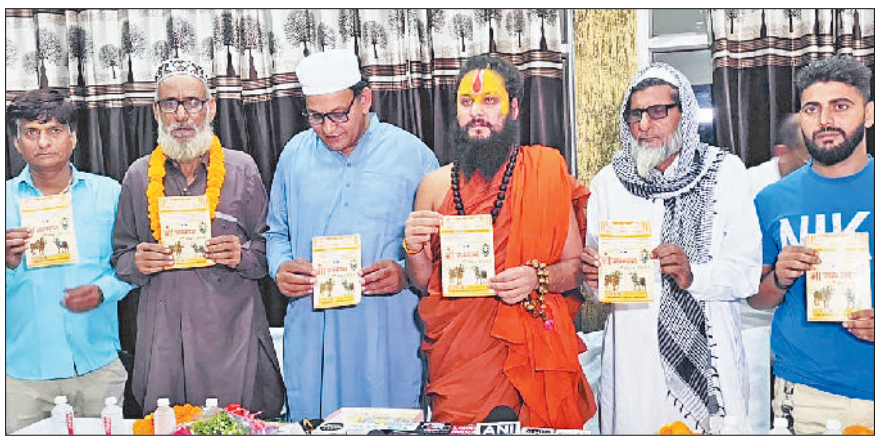
भिवानी। गौ सम्मान आह्वान अभियान को समर्थक देते मुस्लिम समुदाय। फोटोः हरिभूमि

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना और इसी गंगा-जमुनी तहजीब की एक बेहद खूबसूरत और प्रेरणादायी तस्वीर भिवानी में सामने आई है। देश में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए चल रहे गोसम्मान आह्वान अभियान को अब मुस्लिम समुदाय का भरपूर समर्थन मिल गया है। सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए मुस्लिम समाज ने न केवल मुहिम को समर्थन दिया, बल्कि देशभर में गोहत्या बंद करने की मांग उठाते हुए कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने का संकल्प लिया है। देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने की मांग को लेकर चल रहा गो सम्मान आह्वान अभियान अब बड़े राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। इसी कड़ी में भिवानी के मुस्लिम समुदाय ने मुहिम को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए कंधे से कंधा मिलाकर चलने का ऐलान किया है। सोमवार को मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध समाजसेवियों एवं गोरक्षा दल के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से अभियान को गति देने की रणनीति सांझा की। अभियान के मुख्य मार्गदर्शक वृंदावन से पहुंचे गोभक्त स्वामी रामतीर्थ दास महाराज भी मौजूद रहे। मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि जोरावर अली ने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि हमारी सांझी संस्कृति एवं आस्था का प्रतीक है। गोहत्या पर देशभर में पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए और गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान मिलना ही चाहिए। इस अभियान की सफलता के लिए भिवानी का प्रत्येक मुसलमान पूरी शिद्दत और बढ़-चढ़कर अपना योगदान देगा।

सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान करेंः जोरावर

जोरावर अली ने इस बात पर जोर दिया कि समाज के सभी वर्गों को मिलकर देश के सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए और मुस्लिम समाज का ये कदम आपसी भाईचारे को और मजबूत करेगा। वृंदावन से पहुंचे गोभक्त स्वामी रामतीर्थ दास महाराज ने मुस्लिम समुदाय के इस कदम का स्वागत किया और अभियान की रूपरेखा सामने रखी। इस अवसर पर यासीन खान, रोशन अली, आमिर खान, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

सभी समुदायों के सहयोग से अभियान को मिली ताकत

उन्होंने कहा कि गोसम्मान आह्वान अभियान के तहत आगामी 27 जुलाई तक देश भर से 20 करोड़ हस्ताक्षरों का एक ऐतिहासिक और विशाल लक्ष्य तय किया गया है। भिवानी में मुस्लिम समुदाय के जोरावर अली और उनकी टीम के ऐतिहासिक समर्थन से संकल्प को और बल मिला है। यह लड़ाई किसी एक धर्म या वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए गौभक्त लगातार जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं और समाज के हर तबके का जुड़ना ये दिखाता है कि देश का जनमानस क्या चाहता है। गोरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने कहा कि गौ सम्मान आह्वान अभियान में सभी समुदायों की भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा दी और ये साबित किया कि राष्ट्र एवं संस्कृति के सम्मान के लिए प्रत्येक समाज हमेशा एकजुट खड़ा है।

भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा में नृत्य करते श्रद्धालु।

पुरुषोत्तम मास (मल मास) के पावन अवसर पर गाँव अजीतपुर में भव्य कलश यात्रा के साथ यादव धर्मशाला में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा मंदिर से शुरू होकर गांव से होते हुए यादव धर्मशाला में पहुँची, यात्रा में महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कथा का आयोजन 01 जून से 7 जून तक दोपहर 12 बजे से शाम 3 बजे तक किया जाएगा। कथा के शुभारंभ अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कथा वाचिका देवी ज्योति जी ने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का ग्रंथ है। जीवन में भागवत कथा का वही महत्व है, जो शरीर में आत्मा का होता है। श्रीमद्भागवत का श्रवण करने से मानव के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की महिमा सबसे न्यारी है और इस कथा को सच्चे भाव से सुनना चाहिए।

गोभक्त स्वामी रामतीर्थ का किया स्वागत

भिवानी। गोहत्या पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने एवं गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने की मांग को लेकर देशभर में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत वृंदावन से प्रभारी के रूप में पहुंचे गोभक्त स्वामी रामतीर्थ महाराज का पंडित विकास पाहसोरिया ने उमरावत स्थित गुरुजी पाठशाला में स्वागत किया। हरियाणवी लोकगाय विकास पाहसोरिया ने स्वामी रामतीर्थ का स्वागत कर 27 जुलाई को चलाए जाने वाले राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान में अपनी टीम द्वारा पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गौरक्षा दल के अध्यक्ष संजय परमार, रामनिवास फौजी मिताथल आदि मौजूद रहे।

बाल सभा में छोटे बच्चों ने लगाई दौड़ और डांस किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जनवादी महिला समिति हरियाणा के आह्वान पर गर्मियों की छुट्टियों का सदुपयोग करते हुए गुजरानी में छोटे बच्चों की बाल सभा आयोजित की। बाल सभा में छोटे बच्चों ने डांस व दौड़ लगाई। बाल सभी की अगुवाई जनवादी महिला समिति नेत्री अनुराधा, रेनू शर्मा व आस्था ने सयुक्त रूप से की।

महिला नेत्री ने बच्चों व महिलाओं के बीच बाल सभा का महत्व बताते हुए बताया कि छोटे बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। उनमें विभिन्न प्रकार की प्रतिभाएं छिपी हुई होती हैं जिसको निखारने की जरूरत हैं। आज महंगाई के चलते बच्चें कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। बच्चों में स्मार्ट फोन के ज्यादा इस्तेमाल से बच्चे स्वभाव से चिडचिडे हो रहे हैं और खेलकूद, डांस जैसी गतिविधियों से दूर हो रहे हैं। इसलिए जनवादी महिला समिति व बाल सभा हरियाणा ने गर्मीयों की छुट्टीयों को देखते हुए बच्चों में विभिन्न तरह की गतिविधियों में रूची पैदा करने के लिए गांव व शहरों में बाल सभा बनाने व खेलकूद, डांस, लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित करने का निणर्य लिया हैं।

विद्यार्थियों के छोटे-छोटे प्रयासों की सराहना करें

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सीबीएसई की ओर से सीबीपी कार्यशाला का आयोजन किया गया। परामर्श दाता के रूप में नरसिंह चाहर एवं प्रवीन पधारें। कार्यशाला में बीके स्कूल, जिंदल पब्लिक स्कूल तोशाम, सेंट जेवियर स्कूल भिवानी, डीएवी पब्लिक स्कूल भिवानी ने शिरकत की। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने परामर्शदाताओं का पुष्प गुच्छ प्रदान कर सत्कार किया। उन्होंने शिक्षक वर्ग से आश्वासन भी प्राप्त किया कि वे इस कार्यशाला का यह यथोचित लाभ उठाएंगे। परामर्शदाताओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इस कार्यशाला को प्रभावशाली बनाया। इस दौरान उन्होंने बीच-बीच में शिक्षक वर्ग से प्रश्न भी पूछे जिनका शिक्षक वर्ग ने बड़े ही प्रभावशाली ढंग से उत्तर दिया। जलपान से पूर्व उन्होंने बताया कि किस तरह से आप अपने विद्यार्थियों में जीवन कौशल का विकास कर सकते हैं। द्वितीय चरण में उन्होंने कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों के छोटे से छोटे प्रयास के लिए उत्साह वर्धन के प्रभावशाली तरीके पर प्रकाश डाला। तृतीय चरण में उन्होंने बताया कि जीवन कौशल अनुभव तथा सकारात्मक व्यवहार हेतु ऐसी योग्यता है जो विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का प्रभावशाली ढंग से सामना करने में समर्थ बनाती है।

कैंप के पहले दिन बच्चों व शिक्षकों में दिखा जोश

खंड बवानीखेड़ा के राजकीय विद्यालयों में भारतीय भाषा समर कैंप का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। राजकीय विद्यालयों में शिविर के दौरान उपस्थित शिक्षकगण व छात्र।

शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार खंड बवानीखेड़ा के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में भारतीय भाषा समर कैंप का शुभारंभ किया गया। यह विशेष शिविर 1 जून से 7 जून तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं, संस्कृति, साहित्य एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समर कैंप के पहले दिन विद्यालयों में विद्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को कैंप के उद्देश्य और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान भाषा विकास, कहानी लेखन, कविता पाठ, वाचन कौशल, भाषण प्रतियोगिता, लोकगीत, लोककथाएं, शब्द ज्ञान, हस्तलेखन सुधार तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। भिवानी डीपीसी शिव कुमार तवंर, एपीसी विवेक अदलखा ने बताया कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों में मातृभाषा एवं भारतीय भाषाओं के प्रति रुचि विकसित करने के लिए यह कैंप आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से बच्चों को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता, अभिव्यक्ति क्षमता और रचनात्मक सोच का भी विकास होगा।

बोलियों और भाषाओं की विविधता की जानकारी दी

खंड शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र सिंह, सीआरसी-कम-प्राचार्य आनंद शर्मा, प्रवक्ता सुनील कुमार, प्रवक्ता सत्यवान, प्रवक्ता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि कैंप के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें भाषा आधारित खेल, समूह चर्चा, लेखन प्रतियोगिताएं, लोक संस्कृति परिचय, नाटक प्रस्तुति तथा रचनात्मक कला गतिविधियां प्रमुख रहेंगी। विद्यार्थियों को स्थानीय बोलियों और भारतीय भाषाओं की विविधता से भी परिचित कराया जाएगा। ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नपा प्रधान के चाचा और डीपीई देवेंद्र अत्रि के पिता का निधन, जताया शोक

बवानीखेड़ा। नपा बवानी खेड़ा के अध्यक्ष सुंदर अत्री के चाचा व डीपीई देवेंद्र अत्री के पिता देशराज का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से परिवार एवं क्षेत्र में शोक की लहर है। स्वर्गीय देश राज धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सदैव बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। जन स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त होने के पश्चात उन्होंने अपना अधिकांश समय प्रभु भक्ति एवं समाज सेवा में समर्पित किया। वे परिवार में प्रेम, एकता और भाईचारे के प्रतीक थे तथा हमेशा छोटे-बड़े सभी सदस्यों और बच्चों को एक माला में पिरोकर रखने का संदेश देते रहे। नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके चाचा जी उनके लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। उनके आदर्श, संस्कार एवं मार्गदर्शन जीवनभर स्मरणीय रहेंगे। स्वर्गीय देश राज अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके दो पुत्र हैं, जिनमें बड़े पुत्र राजकीय विद्यालय में शारीरिक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। इस दुखद अवसर पर नगर के गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्रवासियों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

छात्राओं को अपनी जड़ों से जोड़ेगी हरियाणवी लोकनृत्य कार्यशाला

- राजकीय कन्या वमा विद्यालय मानहेरू में 15 दिवसीय कार्यशाला का आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। छात्राओं को नृत्य का अभ्यास करवाते शिक्षक।

आधुनिकता के दौर में युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति एवं गौरवशाली इतिहास से जोड़े रखना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के तत्वावधान में मानहेरू के राजकीय कन्या वमा विद्यालय में सोमवार से 15 दिवसीय हरियाणवी लोकनृत्य कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला में विद्यालय की करीब 100 छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जहां उन्हें अगले 15 दिनों तक हरियाणवी लोक नृत्य की विभिन्न विधाओं और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासतों से रूबरू करवाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में प्राचार्या कृष्णा कुमारी ने शिरकत की और द्वीप प्रज्ज्वलित करके कार्यशाला की शुरुआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीपीई दयानन्द ने की। लोकनृत्य एवं कला क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञ अनूप कुमार ने बतौर मुख्य प्रशिक्षक छात्राओं को नृत्य की बारीकियां सिखाई।

प्राचार्या कृष्णा ने कहा कि 15 दिवसीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हमारी छात्राओं को हरियाणवी संस्कृति, लोककला और उच्च संस्कारों से जोड़ना है।

जल संकट पर महिलाओं का हल्लाबोल पब्लिक हेल्थ कार्यालय में फोड़े मटके

नारनौल। भीषण गर्मी में भी शहर के कई मोहल्लों में पानी की आपूर्ति लगातार गिरती जा रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि लोगों को पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को झेलनी पड़ रही है, जिन्हें घर की जरूरतों के लिए पानी जुटाने की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। इसी परेशानी और नाराजगी ने सोमवार को आंदोलन का रूप ले लिया, जब बावड़ीपुर मोहल्ले की महिलाओं ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पब्लिक हेल्थ) के कार्यालय पहुंचकर मटके फोड़ते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। निजामपुर रोड स्थित विभागीय कार्यालय में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग को लेकर धरना दिया और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं का कहना था कि पिछले करीब एक वर्ष से उनके क्षेत्र में पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। पूर्व पार्षद बनवारी सैनी की अध्यक्षता में हुए प्रदर्शन में करीब 20 से 25 महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने खाली मटके फोड़कर यह संदेश देने की कोशिश की कि उनके घरों के मटके खाली पड़े हैं।

कारी धारणी के तीन युवाओं का नौकरी में चयन, किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। गांव कारी धारणी में नवनियुक्त प्रतिभाओं का सम्मान करते एसडीएम मनोज दलाल व ग्राम पंचायत सदस्य। फोटोः हरिभूमि

गांव कारी धारणी के तीन होनहार युवाओं के सरकारी नौकरी में चयन होने पर ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर गांव में खुशी का माहौल देखने को मिला तथा ग्रामीणों ने चयनित युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। लोहारु के एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि सरकारी नौकरी में चयनित होने वाले युवाओं में मनीष पुत्र रामनिवास, साहिल पुत्र संदीप व जतिन पुत्र दलवीर शामिल हैं। इस गांव के युवा दिन रात सेना व प्रशासनिक सेवाओं के लिए कठोर मेहनत करते हैं। एसडीएम दलाल ने कहा कि गांव के युवाओं की यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी इन युवाओं से प्रेरणा लेकर और अधिक मेहनत करेगी तथा शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से गांव व क्षेत्र का नाम रोशन करेगी। ग्रामीणों ने चयनित युवाओं की उपलब्धि को गांव के लिए गौरवपूर्ण बताया। ग्रामीणों ने कहा कि इन युवाओं ने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर सफलता हासिल कर गांव का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में कैप्टन कुरड़ाराम, सरपंच प्रतिनिधि ईश्वर सिंह, बिसन, सूबेदार भूपसिंह, पूर्व सरपंच रणधीर सिंह, मास्टर दलवीर, रावत सिंह, रामेश्वर, पूर्व सरपंच राजेश, महेंद्र सांगवान, रघुवीर, कृष्ण सांगवान, संदीप सांगवान, सुनील दलाल, वीरेंद्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

समर कैंप में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश दिया

भिवानी। वीर शहीद रामगोपाल राजकीय वमा विद्यालय नीमड़ीवाली में भारतीय भाषा समर कैंप का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। नई शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप आयोजित विशेष शिविर में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हुए भारत की भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता को जानने और समझने की दिशा में पहला कदम बढ़ाया। समर कैंप के प्रथम दिवस का आरंभ संस्कृत भाषा में प्रार्थना के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से सराबोर कर दिया। इसके उपरांत विद्यार्थियों को देश के विभिन्न राज्यों में प्रचलित अभिवादन की विधियों से परिचित करवाया। बच्चों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में एक-दूसरे का अभिवादन कर अपना परिचय दिया तथा राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक समरसता का संदेश दिया। प्राचार्या अनीता नाथ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नई शिक्षा नीति के प्रमुख उद्देश्यों, समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा सांकेतिक भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है तथा भाषा इन सभी को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं संस्कृतियों की जानकारी प्रदान करना आवश्यक है, जिससे उनमें राष्ट्रीय एकता, आपसी सम्मान और सांस्कृतिक समझ का विकास हो सके। उन्होंने बताया कि भारतीय भाषा समर कैंप-2026 का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषाई कौशल विकसित करने के साथ-साथ राष्ट्रीयता की भावना को मजबूत करना है। शिविर के माध्यम से बच्चे खेल-खेल में नई भाषाएं सीखेंगे, विभिन्न संस्कृतियों को समझेंगे।

पूर्व पार्षद ने प्रशासन को सौंपा मांगपत्र, साइन बोर्डों का मिसयूज कर रहे राजनीतिक दल

महापुरुषों की मूर्तियों पर पोस्टरबाजी के खिलाफ फूटा गुस्सा

- महापुरुषों एवं शहीदों की मूर्तियों का हो रहा अपमानः मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शहर में सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने, पीडब्ल्यूडी के दिशा-सूचक बोर्डों को ढ़कने, महापुरुषों एवं शहीदों की मूर्तियों का अपमान करने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने इस गंभीर समस्या को लेकर जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को समाधान शिविर में उपायुक्त को दो अलग-अलग मांगपत्र सौंपकर पूर्व पार्षद मान ने इस अवैध कृत्य पर तुरंत रोक लगाने एवं दोषियों पर भारी जुर्माना वसूलने की मांग की है। उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि लोकनिर्माण विभाग द्वारा शहर के सभी प्रमुख चौको, मोड़ों और मुख्य सड़कों पर राहगीरों की सुविधा के लिए दिशा-सूचक तथा दूरी दर्शाने वाले साइन बोर्ड लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि उक्त बोर्डों का मुख्य उद्देश्य शहर और बाहर से आने वाले लोगों को रास्तों को लेकर असुविधा एवं परेशानी से बचाना हैं, लेकिन बेहद अफसोस की बात है कि राजनीतिक पार्टियां, विभिन्न शिक्षण संस्थान, प्राइवेट एजेंसियां वअन्य लोग बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के साइन बोर्डों पर धड़ल्ले से अपने बैनर, पोस्टर और प्रचार सामग्री लगा रहे हैं।

सुंदरता की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की

पूर्व जिला पार्षद मान ने कहा कि नगर परिषद और जिला प्रशासन की मूर्तियों और चौकों की सुरक्षा व सुंदरता बनाए रखने की जिम्मेदारी है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने मांग की कि चौकों, मूर्तियों और पीडब्ल्यूडी के साइन बोर्डों पर पोस्टर लगाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए, जो राजनीतिक दल, संस्था या व्यक्ति नियमों का उल्लंघन कर अवैध पोस्टर लगाता है, उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और नियम अनुसार भारी जुर्माना वसूला जाए। मान ने स्पष्ट किया कि वे जनहित के मुद्दे को लेकर समाधान शिविर के माध्यम से पहले भी कई बार प्रशासन को अवगत करवा चुके हैं, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों हैं।

खबर संक्षेप

विश्व दूध दिवस पर ठंडाई की छबील लगाई

भिवानी। हालु बाजार में नगर व्यापार मंडल की ओर से विश्व दुध दिवस पर दूध की ठंडाई की छबील लगाई। गर्मी में लोगों को दूध की ठंडाई पिलाई और स्वस्थ रहने का संदेश दिया। मंडल के प्रधान भानु प्रकाश में कहा प्रतिदिन दूध पीने से कैल्शियम की कमी दूर होती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को रोज दूध पिलाएं, दूध से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता हैं। अपने बच्चों व खुद को फास्ट फूड से दूर रखें, क्योंकि फास्ट फूड़ हानिकारक हैं, जो अनेक बीमारियों को जन्म देता हैं। इस अवसर पर रमेश जुनेजा, सुरेंद्र भोलू, रतन गोयल, सन्नी, पवन, राजकुमार, अमित व अतुल आदि उपस्थित रहे।

अल्ट्रासाउंड एवं एमटीपी केंद्रों की निगरानी

भिवानी। जिले में लिंगानुपात में सुधार लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले के सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों तथा एमटीपी (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) केंद्रों की नियमित जांच एवं निगरानी की जा रही है। इसके लिए जिला स्तरीय पीसीपीएनडीटी निरीक्षण टीम का गठन किया गया है। सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य ने बताया कि डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला में लिंगानुपात के सुधार के लिए कारगर योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है।

हालुवास ने लिया 200 पौधे लगाने का निर्णय

भिवानी। टीम मैनेजर धार्मिक एवं सामाजिक मंच हालुवास के सदस्यों की एक बैठक मंच के सदस्य गजराज जोगपाल के निवास स्थान सैक्टर 13 में आयोजित की गई। इस बैठक में जलवायु परिवर्तन विषय पर चर्चा की गई की दिन प्रति दिन धरती पर तापमान बढ़ता जा रहा है और गर्मी बढ़ती जा रही है ऐसा ही रहा तो भूमि का तापमान आने वाले दिनों में 50 डिग्री से भी ज्यादा हो जाएगा जिसके कारण मानव के लिए जीना मुश्किल हो जाएगा। इस बढ़ते जलवायु परिवर्तन और तापमान को कम करने का एक मात्र उपाय है कि हमें ज्यादा से ज़्यादा पौधे लगाने चाहिए । इस विषय पर मंच के सभी सदस्यों ने मिलकर यह निर्णय लिया कि मंच के माध्यम से 200 पेड़ पौधे हालुवास, देवसर, और हेतमपूरा गांव में लगाए जाए और इन पौधों की देखभाल की जाए।

भिवानी में बैडमिंटन के महाकुंभ का समापन : 200 शटलर्स ने दिखाई प्रतिभा

भिवानी की माटी में ही बसा है खेल और जज्बा : एडीसी

चार दिनों तक इस बैडमिंटन कोर्ट पर जो ऊर्जा और अनुशासन का संगम देखने को मिल वह अपने आप में अद्भुत रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बैडमिंटन वेलफेयर एसोसिएशन भिवानी के तत्वावधान में भीम स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित चार दिवसीय भिवानी जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का समापन हुआ। खेल की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके भिवानी जिले के लिए यह प्रतियोगिता किसी महाकुंभ से कम नहीं थी, जिसमें जिला भर से आए करीब 200 से अधिक जूनियर व सीनियर शटलर्स ने अपनी प्रतिभा, रफ्तार और सटीक स्मैश का लोहा मनवाया। इस अवसर पर पवन शर्मा आईटीओ, विद्यानंद जिला खेल अधिकारी, अनिल सांगवान, मितेश शर्मा, रोहित लोहाच, रोहित भाकर अर्जुन अवॉर्डी, महेश सिंहमार बैडमिंटन कोच, मनोज, सुरेश अरोड़ा प्रोफेसर पोपली पीटीआई, ताराचंद सहित अनेक खेलप्रेमी मौजूद रहे। चैंपियनशिप के समापन समारोह में अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिवरत्न गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की पूरी कमान और संयोजन प्रसिद्ध समाजसेवी प्यारेलाल जगगनाथ सर्राफ ने संभाला। उपस्थित खिलाडियों को संबोधित करते हुए एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि भिवानी की माटी में ही खेल और जज्बा बसा है। चार दिनों तक इस बैडमिंटन कोर्ट पर जो ऊर्जा और अनुशासन देखने को मिला, वह अद्भुत है। खेल केवल मेडल जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं में टीम भावना, कठिन परिस्थितियों से लडऩा और मानसिक दृढ़ता विकसित करता है। प्रशासन खेलों और खिलाडियों को हर संभव बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैडमिंटन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान प्रो. सुरेश गुप्ता व महासचिव सतविंद्र सिंह ने कहा कि इस चैंपियनशिप का मुख्य उद्देश्य भिवानी की छिपी हुई बैडमिंटन प्रतिभाओं को एक पेशेवर मंच देना था। पिछले चार दिनों में 200 शटलर्स के बीच हुए कड़े मुकाबलों ने यह साबित कर दिया है कि हमारे बच्चों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने की पूरी क्षमता है।

भिवानी। प्रतियोगिता में मुख्यअतिथि को स्मृति चिंह देकर सम्मानित करते हुए।

28 से 31 मई तक चली बैडमिंटन

भिवानी। जिला भिवानी में बैमिंटन की जिला स्तरीय चैंपियनशिप में द्रोणाचार्य अकेडमी ने बहुत उम्दा प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने स्तर अनुरूप खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। मैन्स सिंगल में हर्ष अरोड़ा ने जीत दर्ज की , युवांश ने अंडर-11 में जीत दर्ज की, भव्य मखीजा ने अंडर-15 में जीत दर्ज की। भिवानी के द्रोणाचार्य बैडमिंटन अकेडमी के संचालक सुरेश कुमार अरोड़ा ने बताया कि उनकी अकेडमी के सभी वर्ग के बच्चों की उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायक रहेगी।

भिवानी। जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले ऋतिक शेषमां को सम्मानित करते कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में ऋतिक शेषमां ने जीता रजत पदक

भिवानी। भीम स्टेडियम में बैडमिंटन वेलफेयर एसोसिएशन के तम्वावधान में चार दिवसीय जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया। प्रतियोगिता के अंडर 13 आयुवर्ग में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए गांव लेघां भानान निवासी ऋतिक शेषमां ने रजत पदक प्राप्त कर गांव का नाम रोशन किया। खिलाड़ी ऋतिक शेषमां का उत्साह बढ़ाते हुए युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान, कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, छात्र संघर्ष समिति सदस्य जितेन्द्र भोलू व डॉ. मनोज दादरवाल ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। खेलों से जहां हमारा शारीरिक विकास होता है, वहीं मानसिक व बौद्धि विकास भी होता है।

भिवानी। जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ इनेलो ने किया प्रदर्शन

- हरियाणा की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह धंसी : डा. वासुदेव शर्मा
- खोखले वादों से जनता की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती भाजपा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत इनेलो सुप्रीमो चौ. अभय सिंह चौटाला एवं प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा के निर्देशानुसार सोमवार को भिवानी में इनेलो द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान इनेलो नेताओं ने भाजपा शासनकाल में बेतहाशा बढ़ती महंगाई, आसमान छूती बेरोजगारी और चरमराती कानून-व्यवस्था के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। इनेलो पार्लियामेंट्री बोर्ड के चेयरमैन एवं पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा के कुशल नेतृत्व तथा इनेलो जिला अध्यक्ष अशोक ढाणीमाहु की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सडक़ों पर उतरकर सरकार के खिलाफ जमकर हुंकार भरी। प्रदर्शन में पुरूष व युवा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ महिलाओं की भी खासी भागीदारी देखने को मिली, जो कि अपने हाथों में सरकार विरोधी बैनर-पट्टी लेकर सडक़ों पर उतरे थे।

यह लगाया आरोप

प्रदर्शन के बाद इनेलो नेताओं ने उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा ईंधन कीमतों में कटौती, रसोई गैस पर राहत, बिजली और पानी का संकट के समाधान, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाने और प्रदेश में कानून का राज स्थापित किए जाने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं इनेलो पार्लियामेंट्री बोर्ड के चेयरमैन डा. वासुदेव शर्मा ने सरकार की नीतियों पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह धंस चुकी है। वर्तमान सरकार आम आदमी की जेब पर डाका डाल रही है और पूंजीपतियों व ठेकेदारों के एजेंट के रूप में काम कर रही है। हालही में करीबन दो सप्ताह के अंतराल में जिस तरह चार बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं, उसने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, बिजली के भारी-भरकम बिलों के साथ बेतहाशा अघोषित कट लगाए जा रहे हैं। भीषण गर्मी के इस मौसम में इंसानों को तो छोड़िए, पशुओं के लिए भी पीने के पानी की भारी किल्लत पैदा हो गई है।

विदाई समारोह में दिया स्मृति चिन्ह

- अधीक्षण अभियंता पुनिया के स्थानातंरण पर विदाई समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बिजली निगम के अधीक्षक अभियंता विनोद पूनिया के स्थानांतरण पर उनको भावभीनी विदाई दी गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनकी कार्यशैली और मिलनसार स्वभाव की सराहना की। उनका स्थानांतरण भिवानी से जींद हुआ है। बिजली निगम कार्यालय में हुए समारोह में वक्ताओं ने कहा कि अधीक्षक अभियंता का का कार्यकाल भले ही छोटा रहा हो पर कर्मचारियों, अधिकारियों और आम लोगों के दिलों पर उन्होंने अपनी गहरी छाप छोड़ी और नेक और ईमानदारी अधिकारी के तौर पर वे याद किए जाएंगे। उनकी कार्यशैली से कर्मचारी और अधिकारियों के साथ आम लोग भी खुश दिखे। वक्ताओं में नए कार्यकारी अधीक्षक विजयपाल यादव, सुपरीटेंडेंट सुरेश कुमार व सर्कल सचिव मनोज उर्फ बल्लू ने कहा कि तबादला प्रक्रिया भले ही नौकरी का हिस्सा है पर विनोद पूनिया का कार्यकाल यादगार रहा है। उनकी कार्यशैली से हर छोटा बड़ा कर्मचारी और अधिकारी खुश रहे। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। मनोज बामला ने कहा नए अधीक्षक का हम स्वागत करते हैं। अधीक्षण अभियंता विनोद पूनिया ने कहा कि भिवानी में काम करना उनके लिए अच्छा अनुभव रहा। कर्मचारियों और अधिकारियों का भी पूरा साथ मिला।

भिवानी। अधिकारी को स्मृति चिंह देकर सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

किसानों व मजदूरों को बांटे 10.75 लाख के चेक

- किसानों एवं मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है मार्केट कमेटी : कृष्ण निलाहेड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री किसान एवं खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना-2013 के अंतर्गत कृषि दुर्घटनाओं से प्रभावित किसानों एवं खेतिहर मजदूरों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को मार्केट कमेटी भिवानी परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पात्र लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। मार्केट कमेटी भिवानी के चेयरमैन कृष्ण निलाहेड़ी ने योजना के तहत कृषि दुर्घटनाओं में प्रभावित किसानों एवं खेतिहर मजदूरों को कुल 10 लाख 75 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित किए। इस अवसर पर लाभार्थियों एवं उनके परिजनों ने सरकार और कृषि विपणन बोर्ड का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन कृष्ण निलाहेड़ी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और खेतिहर मजदूरों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री किसान एवं खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना का उद्देश्य कृषि कार्यों के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उन्हें राहत मिल सके।

भिवानी। सहायता राशि के चेक देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

मदद का भरोसा

मार्केट कमेटी भिवानी किसानों और मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंडी क्षेत्र में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि मार्केट कमेटी की ओर से किसानों को मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करने दिया जाएगा। चेयरमैन ने बताया कि किसानों एवं खेतिहर मजदूरों की सुविधा के लिए अनाज मंडी में अटल किसान मजदूर कैंटीन का संचालन किया जा रहा है, जहां मात्र 10 रुपये में पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिजली निगम का कागजों में कर्मियों की सुरक्षा एवं जमीन पर मौत का खेल

भिवानी। बिजली कर्मचारियों के साथ आए दिन हो रहे हादसों एवं निगम की लापरवाही को लेकर ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन ने मोर्चा खोल दिया है। यूनियन के राज्य आडिटर धर्मवीर सिंह भाटी व ऑपरेशन सब यूनिट भिवानी के प्रधान सतीश तंवर ने जारी ब्यान में बिजली निगम के अधिकारियों और उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हादसों के बाद अधिकारी ये कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि सेफ्टी किट दी गई थी, लेकिन हकीकत इसे बिल्कुल विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी दावा करते हैं कि वे सेफ्टी डे मनाते हैं और कर्मियों को जागरूक करते हैं, लेकिन सच ये है कि सेफ्टी डे सिर्फ कागजों में मनाया जाता है और इसके नाम पर भारी-भरकम बिल बनाए जाते हैं, जिसका जमीन पर कोई रिजल्ट नहीं दिखता। भाटी व तंवर ने कहा कि यूनियन मांग करती है कि सेफ्टी डे के नाम पर खर्च होने वाले पैसों को बंद करके कर्मचारियों को अच्छे एवं आधुनिक औजार (टूल्स) दिए जाएं, ताकि काम समय पर और सुरक्षित तरीके से हो सके।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

धूपड़ को दिया आस्था गौरव सम्मान

- चेयरमैन धूपड़ के नेतृत्व में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड नई ऊंचाइयों को छूएंगा : विजय

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन शंकरलाल धूपड़ को आस्था स्पेशल स्कूल परिवार ने कार्यालय में पहुंचकर आस्था गौरव सम्मान से सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के संस्थापक विजय शर्मा ने कहा कि चेयरमैन धूपड़ के नेतृत्व में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। विजय शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, कार्यकुशलता एवं दूरदर्शी सोच से शिक्षा व्यवस्था में अनेक सकारात्मक सुधार देखने को मिलेंगे तथा विद्यार्थियों के हित में कई अभिनव पहलें शुरू होंगी। विद्यालय की प्राचार्या एवं संचालिका एडवोकेट सुमन शर्मा ने कहा कि धूपड़ को आस्था गौरव सम्मान प्रदान करना विद्यालय परिवार के लिए गर्व और खुशी का विषय है। डॉ. तरुण कुलश्रेष्ठ ने कहा कि आस्था स्पेशल स्कूल दिव्यांग बच्चों के उत्थान के साथ-साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का सराहनीय कार्य कर रहा है।

भिवानी। बोर्ड चेयरमैन शंकरलाल धूपड़ को सम्मान करते आस्था स्पेशल स्कूल परिवार के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

कछुआ चाल से चल रहा पुलिया का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू शहर के वाल्मीकि चौक पर सड़क मार्ग के दोनों ओर गंदे पानी के निकासी के नालों पर बनाए जाने वाली पुलिया का निर्माण कार्य कछुआ चाल हो रहा है, जिसकारण मोहल्ले के लोग खासे परेशान है। यहीं नहीं मार्ग कई वार्डों से होकर गुजरता है तथा झुप्पा गांव को यह रास्ता जाता है, जिसकारण यहां से गुजरने वाले अनेक वाहन चालक भी खासे परेशान हैं। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से इस नाल के पुलिया निर्माण कार्य को निर्धारित मापदंडों के साथ शीघ्र पूरा करवाने की मांग की है। नगर पालिका सचिव तेजपाल से मिली जानकारी के अनुसार करीब 15 लाख रुपये की लागत से पुराना शहर के वाल्मीकि चौक से शीतला माता तक सडक़ का निर्माण और नालियों पर पुलिया बनाने का कार्य प्रगति पर है। लोगों का आरोप है कि नालियों पर पुलिया निर्माण के लिए नालियों को दोनों तरफ से खोद कर छोड़ दिया गया है। जिससे मोहल्ले के लोगों के साथ साथ वहां से गुजरने वाले राहगीरों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उक्त मामला सोमवार को सोशल मीडिया पर काफी उछला तथा लोगों ने नगर पालिका प्रशासन पर काफी व्यंग्य कसे, जिसके बार नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया है। नपा सचिव तेजपाल सिंह ने बताया कि नालियों पर पुलिया निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करवाने के लिए संबंधित जेई और अधिकारियों के अलावा ठेकेदार को निर्देश दे दिए गए हैं। रोड और पुलिया निर्माण में गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए तथा कोताही बरतने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

लोहारू। पुराना शहर के बाल्मीकि चौक पर पुलिया निर्माण के लिए की गई खुदाई और उसमें जमा गंदा पानी। *फोटो : हरिभूमि*

कामयाबी छात्र की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और अभिभावकों में खुशी की लहर

बीपीआर स्कूल के छात्र मेहुल सोनी ने जेईई एडवांस में 234 रैंक हासिल कर रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानी खेड़ा

बीपीआर इंटरनेशनल स्कूल, बवानी खेड़ा के प्रतिभाशाली छात्र मेहुल सोनी ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में 234वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मेहुल की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों तथा क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। मेहुल सोनी ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन, माता-पिता के सहयोग तथा अपनी निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास अत्यंत आवश्यक हैं।

बवानीखेड़ा। प्रतिभाशाली छात्र को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

विजेता को खिलाई मिठाई

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक उमेश भारद्वाज, प्रधानाचार्या ज्योति अरोड़ा तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने मेहुल को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मेहुल के पिता जितेंद्र सोनी ने बताया कि उनका पुत्र प्रतिदिन लगभग 14 घंटे अध्ययन करता था तथा एक घंटा व्यायाम और जिम के लिए भी निकालता था। उन्होंने बताया कि मेहुल की माता ने पढ़ाई के दौरान उसका मोबाइल फोन सुरक्षित रख दिया था, जिससे उसका पूरा ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रहा। पढ़ाई के साथ-साथ मेहुल ने अपने स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया और कड़ी मेहनत के बल पर अपना वजन 106 किलोग्राम से घटाकर 80 किलोग्राम कर लिया। मेहुल ने बताया कि बी.पी.आर. इंटरनेशनल स्कूल के शिक्षकों ने उसकी शैक्षणिक नींव को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप वह जेईई एडवांस में यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सका। उसने अपने दादा वेदप्रकाश सोनी को अपना आदर्श बताया।

प्रदेश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा

तोशाम। कांग्रेस नेता एवं बवानी खेड़ा से कांग्रेस के विधानसभा प्रत्याशी रहे प्रदीप नरवाल ने सोमवार को तोशाम में कांग्रेस कार्यकर्ता हरीश तोशामियां के निवास स्थान पर शिरकत की। इस दौरान कांग्रेस नेता नरेंद्र राज गागड़वास भी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पत्रकारों से वार्तालाप के दौरान कांग्रेस नेता प्रदीप नरवाल ने इनेलो नेता अर्जुन चौटाला द्वारा अधिकारी को अपशब्द कहे जाने के मामले में कहा कि मेरा मानना है की राजनीति हमेशा भाषा की मर्यादा में होनी चाहिए। यदि कोई अधिकारी बात न माने तो सख्ती दिखाते हुए विरोध भी जताना चाहिए लेकिन किसी के खिलाफ अपशब्द प्रयोग नहीं करने चाहिए।